

SACRED HEART CATHEDRAL

1, Ashok Place, New Delhi - 110001 ☎ 23363593/23347304



sacredheartcathedralnewdelhi@gmail.com



www.fb.com/shcdca



www.sacredheartcathedraldelhi.org



Message by Parish Priest

संत वेलेंटाइन



संत वेलेंटाइन प्रेम के संरक्षक माने जाते हैं। विश्वासियों का कहना है कि भगवान ने उसके जीवन के माध्यम से चमत्कार करने और लोगों को सच्चे प्यार को पहचानने और अनुभव करने के तरीके सिखाने का काम किया। यह प्रसिद्ध संत, एक चिकित्सक के रूप में काम किया और बाद में पुरोहित बना। वह तीसरी शताब्दी ईस्वी के दौरान इटली में रहा और लोगों की सेवा दी, जिसने वेलेंटाइन डे की छुट्टी के निर्माण को प्रेरित किया। उन्हें ऐसे समय में जोड़ों के लिए शादियां करने के लिए जेल भेजा गया था जब प्राचीन रोम में नई शादियों की घोषणा की गई थी। इससे पहले कि वह कहानी उठाते हैं। वेलेंटाइन शादी करने वाले जोड़ों के लिए मारा जाता, उसने अपने जेलर की बेटी को पढ़ने में मदद करने वाले एक बच्चे को एक प्यार भरा नोट भेजा और उस नोट ने आखिरकार वेलेंटाइन कार्ड भेजने की परंपरा को जन्म दिया। वेलेंटाइन के शुरुआती जीवन के बारे में इतिहासकारों को बहुत कुछ पता नहीं है। पुरोहित के रूप में काम करने के बाद व वेलेंटाइन की कहानी उठाते हैं। वेलेंटाइन शादी करने वाले जोड़ों के लिए प्रसिद्ध हो गया, जो सम्राट क्लॉडियस द्वितीय के शासनकाल के दौरान रोम में कानूनी रूप से शादियों का बहिष्कार किया था। क्लॉडियस अपनी सेना में सैनिकों के भर्ती होने के लिए बहुत सारे पुरुषों की भर्ती करना चाहता था कि शादी नए सैनिकों की भर्ती के लिए एक बाधा होगी। वह अपने मौजूदा सैनिकों को शादी करने से भी रोकना चाहता था क्योंकि उसे लगता था कि शादी उन्हें अपने काम से विचलित कर देगी। जब सम्राट क्लॉडियस को पता चला कि क्लॉडियस शादी करा रहा है, तो उसने उसे जेल भेज दिया। वेलेंटाइन ने जेल में अपने समय का उपयोग इस प्रेम को लोगों तक पहुंचाने के लिए किया कि उसने कहा कि येशु मसीह ने उसे दूसरों के लिए दिया था। उन्होंने अपने जेलर अस्तेरियुस से मित्रता की, जो वेलेंटाइन की बुद्धि से इतना प्रभावित हो गया कि उसने वेलेंटाइन को अपनी बेटी जूलिया की मदद करने के लिए कहा। जूलिया अंधी थी और उसे सीखाने के लिए किसी सामग्री पढ़ने की जरूरत थी। जब वह जेल में उससे मिलने आया, उसके साथ काम के माध्यम से वेलेंटाइन जूलिया से दोस्ती कर ली। सम्राट क्लॉडियस भी वेलेंटाइन को पसंद करने लगे थे। उसने वेलेंटाइन को क्षमा करने की पेशकश की और उसे मुक्त कर दिया अगर वेलेंटाइन अपने ईसाई धर्म को त्याग देगा और रोमन देवताओं की पूजा करने के लिए सहमत होगा। न केवल वेलेंटाइन ने अपने विश्वास को छोड़ने से इनकार कर दिया, उसने सम्राट क्लॉडियस को मसीह में अपना विश्वास रखने के लिए भी प्रोत्साहित किया। वेलेंटाइन के वफादार विकल्पों की वजह जान बूझी। सम्राट क्लॉडियस वेलेंटाइन की प्रतिक्रिया पर इतना क्रोधित हुआ कि उसने वेलेंटाइन को मरने के लिए सजा सुनाई। इससे पहले की वह मारा जाता, वेलेंटाइन ने जूलिया को येशु के करीब रहने के लिए प्रोत्साहित करने और उसे अपना दोस्त बनने के लिए धन्यवाद देने के लिए एक आखिरी नोट पर हस्ताक्षर किया आपक वेलेंटाइन से। उस नोट ने लोगों को वेलेंटाइन के पर्व 14 फरवरी को लोगों को अपने स्वयं के प्यार भरे संदेश लिखना शुरू करने के लिए प्रेरित किया, जो उसी दिन मनाया जाता है, जिस दिन वेलेंटाइन शहीद हुआ था। 14 फरवरी, 270 को वेलेंटाइन को पीटा गया, पत्थरबाजी की गई और सिर काट दिया गया। कई युवा जोड़ों के प्रति उनकी प्रेम सेवा को याद रखने वाले लोग उनके जीवन का जश्न मनाने लगे, और उन्हें संत के रूप में माना जाने लगा, जिसके माध्यम से भगवान ने लोगों को चमत्कारिक तरीके से मदद करने का काम किया। सन् 496 को, पॉप गेलैसियस ने 14 फरवरी को वेलेंटाइन के आधिकारिक दावत दिवस के रूप में नामित किया। सबसे प्रसिद्ध चमत्कार संत वेलेंटाइन के लिए जिम्मेदार ठहराया गया था जो विदाई नोट में जूलिया को भेजा था। विश्वासियों का कहना है कि भगवान ने जूलिया को उसके अधेपन को ठीक कर दिया ताकि वह व्यक्तिगत रूप से वेलेंटाइन को नोट को पढ़ सकें, बजाय इसके कोई और उसे पढ़े। जब से वेलेंटाइन की मृत्यु हुई है, तब से लोगों ने उनसे उनके रोमांटिक जीवन के बारे में भगवान के समक्ष हस्तक्षेप करने की प्रार्थना की है। संत वेलेंटाइन की मदद के लिए प्रार्थना करने के बाद कई जोड़ों ने अपने रिश्ते में बॉयफ्रेंड, गर्लफ्रेंड और जीवनसाथी के साथ चमत्कारी सुधार का अनुभव किया है।

SCC MEETING

St. Anthony Scc unit Meeting on 14th Feb, 2019 Thursday, at 7:30 pm at the residence of Shri Ajit Soreng, at 41/2B Se. 2, Diz Area, Gole Market.

Parish Priest

Fr. Lawrence PR

Asst. Parish Priests

Fr. J. John Britto

Fr. Sampath Kumar

&

Dn. Richard

Mass Timings

Saturdays

6.00 (Eng)

Anticipated Mass

Sundays

6.30 am - English

7.30 am - Malayalam

9.00 am - English

10.15 am - Hindi

11.30 am - English

4.00 pm - Hindi

6.00 pm - English

Weekdays

6.30 am - English

1.00 pm - English

6.00 pm - English

* No mass at 1.00 pm on Saturdays

Sunday Liturgy

17th Feb 2019

English 9:00am

St. Anthony

SCC Unit

Hindi 10:15am

St. Mather Teresa

SCC Unit

(((SUNDAY READINGS & REFLECTION)))

1st Reading: Isaiah 6: 1 - 8

In a vision Isaiah has a glimpse of the heavenly liturgy in all its splendour. He becomes aware of his sinfulness but God subjects him to a purification ceremony.

Response Ps: 138

Before the angels I will bless you, O Lord.

2nd Reading: 1 Corth 15: 3 - 8, 11

Paul answers the query of the Corinthians regarding the resurrection by giving a comprehensive account of the Pasqual events and the appearances of the risen Jesus.

Gospel: Lk 5: 1-11

Jesus goes to the lake of Gennesaret with the intention of calling some fishermen as his disciples. He chooses three fishermen, Peter, James and John whom he later elevates as apostles.

prayer of the faithful

Lord, make us your disciples.

REFLECTION

You Shall Catch Men

In today's Gospel reading, Christ comes upon several men, Sts. Peter, James, and John who, the Gospel says, had been fishing all through the night and had caught nothing. After spending some time teaching His message, Christ turned his attention to the fishermen. At the Lord's bidding, they returned to their boats and, putting their faith in Christ's words, once again let down their nets. And they caught an abundance of fish, enough to break the net, enough indeed to fill two boats and to cause both nearly to sink. Peter seeing this miraculous catch of fish, confesses to the Lord that he is a sinful man. Christ responds that while they now catch fish, soon they shall be catching people. The second message is that though we try in our lives to accomplish certain things, and fail, we must never cease trying. Peter, after working all night, was ready to give up. But he did not, thanks to Christ's insistence. Those disposed to give up, are truly lost should they give in to their impulses. If we are models of Christian piety in our lives, praying, keeping the fasts, attending Liturgy, and remaining close to the Church, that too is a witness and will attract a larger catch.

पहला पाठ : इसायास 6: 1— 8

नबी इसायास ईश्वर द्वारा अपने बुलावे का वर्णन करते हैं। उन्होंने एक दिव्य दर्शन में ईश्वर को देखा और एक स्वर्गदूत ने उनका शुद्धीकरण किया, जिससे वह प्रभु का संदेश सुनाने योग्य हो जाये।

अनुवाक्य: स्तोत्र 138

हे प्रभु! मैं स्वर्गदूतों के सामने तेरा गुणगान करूँगा

दूसरा पाठ: 1 कुरिं 15 : 1 —11

सन्त पौलुस कुरिंथियों को मसीह के पुनरुत्थान के विषय में अपने दृढ़ विश्वास का साक्ष्य देते हैं। येशु के प्रथम शिष्यों के विश्वास का आधार यही था—येशु के मरने के बाद हमने उन्हें देखा है।

सुसमाचार: संत लूकस 5 : 1 — 11

मछलियों के बड़ाव का चमत्कार देख कर येशु के शिष्य उन्हें ईश्वर का भेजा हुआ नबी मानते हैं। तब येशु पेट्रुस और उनके साथियों को समझाते हैं कि वे अब से अपना सब छोड़ कर जीवन भर सुसमाचार का प्रचार करते रहें।

विश्वासियों के निवेदन

हे पिता, हमारी प्रार्थना सुन।

मनन—चिंतन

तुम मनुष्यों को पकड़ा करोगे

आज के सुसमाचार के अनुसार ईसा के पास बहुत लोग आते हैं, संत पेट्रुस, याकुब और योहन, जहाँ सुसमाचार कहता है, पूरी रात मछलियों पकड़ने में लगा दिया और वे कुछ भी नहीं पकड़ पाए। शिक्षा देते कुछ समय बीतने के बाद उनका संदेश था, ईसा का ध्यान मछुआरों की तरफ आकर्षित हुआ। ईसा के आदेशों पर वे अपनी नाव के साथ लौट आए। और ईसा के वचनों पर अपना विश्वास रखा। एक बार फिर से अपना जाल डाला और उन्होंने मछली बहुत अधिक पकड़ी, इतनी अधिक कि जाल फटने को हो गया, इतना अधिक कि दो नाव भर गया। इस कारण दोनों नाव डूबने को हो गया। सिमोन पेट्रुस इस चमत्कारपूर्ण मछली पकड़ को देख रहा था। उसने ईश्वर के सामने स्वीकार किया कि वह एक पापी मनुष्य है। ईसा ने कहा कि अब जब तक वे मछली पकड़ते हैं, जल्द ही वे मनुष्यों को पकड़ा करेंगे। दूसरा संदेश है कि हालाँकि हमलोग अपने जीवन में अनिवार्य कार्य को पूरा करने की कोशिश करते हैं और हम असफल हो जाते हैं। हमें कभी भी कोशिश नहीं छोड़नी चाहिए। सिमोन पेट्रुस पूरी रात परिश्रम करने के बाद छोड़ने के लिए तैयार था। पर उन्होंने नहीं छोड़ा। ईसा के आग्रह का धन्यवाद किया। जो कुछ करने के लिए तैयार है, उसे छोड़ देना, वास्तव में उनकी उतेजना को खत्म कर देता है। यदि हम सब ख्रीस्तीय अपने जीवन में ईश्वर भक्ति के आदर्श हैं, प्रार्थना द्वारा, उपवास रख कर, पूजन—पद्धति में सहभागी होकर, एवं चर्च से बिल्कुल जुड़े रहकर, यह भी एक साक्षी है जिसके द्वारा एक बड़ी पकड़ बहुत सारे लोग आकर्षित होंगे।

READINGS OF THE WEEK

11/Mon: Gen 1:1-19/ Ps 104:1-35/ Mk 6:53-56

12/Tue: Gen 1:20-2:4/Ps 8:4-9/ Mk 7:1-13

13/Wed: Gen 2:4-9,15-17/Ps 104:1-2,27-30/Mk 7:14-23

14/Thu: Gen 2:18-25 /Ps 128:1-5/ Mk 7:24-30

15/Fri: Gen 3:1-8 /Ps 32:1-7/Mk 7:31-37

16/Sat: Gen 3:9-24/ Ps 90:2-6,12-13/ Mk 8:1-10

17/Sun: Jer 17:5-8/Ps 1:1-6/

1Cor 15:12, 16-20/ Lk 6:17, 20-26



IN THE SACRAMENT
OF THE EUCHARIST
WE FIND GOD
WHO GIVES HIMSELF.

~Pope Francis~



PARISH NEWS

1) Today the universal church celebrates the Missionary **Holy Childhood Sunday**. A special collection will be taken towards the Holy Childhood Society Fund. Also kindly take the envelope as you go out of the church for your special contribution towards this noble cause.

2) Today Sunday there will be a **Catholic Association** meeting soon after 9am mass. All the CA members are requested to attend the meeting without fail.

4) On every Tuesday there will be **Mass in Hindi** at 6pm at Sacred Heart Cathedral.

5) **St. Mary's Boys Hostel**, Rohtak opens Admission for class V, VI & VII. Entrance Test conducted on today 10th Feb & 3rd March, 2019 at Yusuf Sadan at 2pm. Kindly see the notice board for details.

6) Kindly **leave the Church Hymn books** at Hymn Book trolley while you go out from the Church.

7) For more details regarding **SCC meetings** during the week, kindly look at the Cathedral Calling

8) There are many Vacancies in Delhi Catholic Archdiocesan School. Kindly look in the notice board.

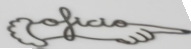
9) Kindly **leave the Church Hymn books** at Hymn Book trolley in the Church itself.

Our Lady of Graces
Sardhana



PILGRIMAGE TO SARDHANA





quiz from St. Luke's gospel



- 1) What happened to Zachariah when he doubted what the angel Gabriel told him?
He rejoices with the angel, he is unable to walk, unable to speak
- 2) What is the profession of the author of the book of St. Luke?
comedian, fisherman, priest, doctor
- 3) How many days is Jesus in the desert being tempted by the devil?
40, 30, 7, 35
- 4) How many times, in the book of Luke, does Jesus predict his death?
1, 2, 3, 4
- 5) Mother of John?
Mary, Elizabeth, Ruth, Anna
- 6) At what ceremony did Jesus receive his name?
Baptism, Circumcision, Communion, Passover
- 7) Recognized he would not see death until he had seen the Christ?
Judah, Simeon, Theophilus, Zacharias
- 8) Widow who departed not from temple?
Anna, Elizabeth, Mary, Ruth
- 9) How old was Jesus when he was taken to the Passover as a boy?
8 days, 40 days, 5 years, 12 years,
- 10) What book did they hand Jesus to read in the synagogue at Nazareth?
Deuteronomy, Jeremiah, Joel, Malachi,
- 11) How long did Jesus pray before choosing the twelve?
All night, One day, Three days, Forty days,



Francis J. Tunias



R.T.

Mob.: 9818136106

7011364736

Lovely: 9871425079

Specialist in Wedding Cakes

Confectioners & Caterers
with All Kinds of Parties & Events

Shop No 1, Double Story Mehar Chand Market
Lodhi Road, New Delhi-110003

6/22-C, Sarai Kale Khan,
D.D.A. Flats,
New Delhi - 110013



ARCHBISHOPS ANGELO-ALAN AID FOR THE ELDERLY



An initiative by Chetanalaya,

Social action wing of the Archdiocese of Delhi



Goal: To help 60 elderly who are in need

(1 Jan - 31 Dec, 2019)

OLD to GOLD CAMPAIGN

Donate the old News papers/
other papers at the box
kept near Maria Bhawan
Sacred Heart Cathedral
or inform

Fr. John Britto (8377820980)



Contact Us: **Chetanalaya**, 9-10 Bhai Vir Singh Marg,
New Delhi-1Ph:011-23744308; 8377820980
chetanalaya@gmail.com www.chetanalaya.org.in